चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 21...2...2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-4.....

एचएयू में एडवांस कंप्यूटिंग लैब स्थापित

आंकड़ों का विश्लेषण कर सकेंगे विद्यार्थी

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक ने कहा- शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्यूटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने व्यक्त किए।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब के उद्घाटन के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा।

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग : गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे, जिनमें स्टैटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी, जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी।

हकृवि में एडवांस्ड कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार हॉल का उद्घाटन करते डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एके सिंह व कुलपति प्रो. समर सिंह। *संवाद*

न्यू स्टैटिकल मॉड्यूल का किया अनावरण

वैज्ञानिक डॉ. ओपी श्योराण द्वारा विकसित न्यू स्टैटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया गया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे। इस दौरान मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

स्टार्टअप को बढ़ावा देगी एचएयू की बेकरी और कन्फेक्शनरी यूनिट

हिसार(ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट का 23 फरवरी को कुलपति प्रो. समर सिंह उद्घाटन करेंगे। जबकि नाबार्ड की क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। इस केंद्र से युवा उद्यमी अपने व्यवसाय को नया आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को यहां तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने शुक्रवार को बताया कि इस बेकरी एवं कन्फेक्शनरी यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। एचएयू के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 21...2...2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-6.....

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डा. ए.के.

● हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

हिसार, 20 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है।

इसी दिशा में एडवासं कंप्यूटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सैमीनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए आयाम हासिल कर रहा है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यू स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर पकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 21.2.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 4-6

एचएयू में आंकड़ों का सही विश्लेषण कर सकेंगे शोधार्थी, कंप्युटेशनल लैब स्थापित

जागरण संवाददाता, हिसार : वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. एके सिंह ने कहे। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटेशनल लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब और सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी।

लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते डा. एके सिंह व प्रो. समर सिंह। • विज्ञप्ति

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डा.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डा. ओपी श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......हरिभूमि......

दिनांक 21.2.2021 ...पृष्ठ संख्या......1......कॉलम......2-3......

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवासं कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। डॉ. सिंह ने कहा

हिसार। एचएयू में एडवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि डॉ. एके सिंह।

कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंग।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 21.2.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

एचएयू में एडवांस कंप्युटेशनल लैब एवं सेमिनार रूम का हुआ उद्घाटन

हिसार| वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटेशनल लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओपी श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे न्यूज	**21.02.2021**	--	--

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. ए.के. सिंह

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

हिसार | सिरसा टुडे

वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए आयाम हासिल कर रहा है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. ए.के. सिंह

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवासं कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए आयाम हासिल कर रहा है।

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग : मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी।

इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।

ये रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. सिंह

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवासं कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन

उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की।

उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. ए.के. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 फरवरी : वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवासं कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटेशनल लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की

सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए आयाम हासिल कर रहा है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर. एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**20.02.2021**	--	--

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी एडवांस कंप्युटिंग लैब : डॉ. ए.के. सिंह

गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए. के. सिंह ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे जो उनके लिए बहुत ही

हिसार। एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि।

लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए

गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं।

अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. सहरावत, डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**20.02.2021**	--	--

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए आयाम हासिल कर रहा है।

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यू स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।

ये रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**20.02.2021**	--	--

हकृवि में उप महानिदेशक ने किया एडवांस कंप्युटिंग लैब का उद्घाटन

हिसार/20 फरवरी/रिपोर्टर

वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित्त नए आयाम हासिल कर रहा है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ.मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 21.2.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-5.....

हकृवि में बेकरी व कन्फेशनरी यूनिट स्थापित

● स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

हिसार, 20 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। अब स्टार्टअप्स इस यूनिट को बहुत ही किफायती दरों पर किराए पर ले सकेंगे। यूनिट पूरी तरह से स्वचालित होगी और बेकरी के सभी उत्पाद बन सकेंगे।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। यूनिट को किराए पर लेने के के इच्छूक स्टार्टअप्स के लिए आवेदन मांगे गए थे, जिसके लिए बहुत संख्या में स्टार्टअप्स ने आवेदन किए थे। इसी आधार पर इनका चयन भी जल्द ही किया जाएगा। बेकरी के सभी उत्पाद हो सकेंगे तैयार

एबिक का फाइल फोटो।

बेकरी के सभी उत्पाद हो सकेंगे तैयार

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी........

दिनांक 21.2.2021 ....पृष्ठ संख्या ....2, 2.......कॉलम ......4-5, 1-2....

एबिक में बेकरी व कॉन्फेंशनरी यूनिट स्थापित

हिसार | एचएयू में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कॉन्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। अब स्टार्टअप्स इस यूनिट को बहुत ही किफायती दरों पर किराए पर ले सकेंगे। यूनिट पूरी तरह से स्वचालित होगी और बेकरी के सभी उत्पाद बन सकेंगे। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी।

'स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एबिक में बेकरी व कंफैक्शनरी यूनिट स्थापित'

हिसार, 20 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कंफैक्शनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इससे स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आग बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग न्यूज	**20.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुडक़र अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

एबिक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेगी मदद : नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व एबिक का फाइल फोटो।

इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

23 फरवरी को कुलपति करेंगे उद्घाटन

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**20.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

एबिक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेगी मदद

नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

23 फरवरी को कुलपति करेंगे उद्घाटन

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुह्रा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**20.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू के एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

एबिक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेगी मदद : नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

कुलपति करेंगे उद्घाटन

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	**20.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

▪ स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

डॉ. सीमा रानी

नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

23 फरवरी को कुलपति करेंगे उद्घाटन

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**20.02.2021**	--	--

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट स्थापित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फेक्शरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। एबिक की

नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कन्फेक्शरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	**20.02.2021**	--	--

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

हिसार, (राज पराशर)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। एबिक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेगी मदद नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

23 फरवरी को कुलपति करेंगे उद्घाटन:एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**20.02.2021**	--	--

एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कांन्फेंशरी यूनिट का 23 फरवरी को कुलपति प्रो. समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**20.02.2021**	--	--

हकृवि में बेकरी व कन्फैक्शनरी यूनिट स्थापित

हिसार/20 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फैक्शनरी यूनिट स्थापित की गई है जिसके जरिए स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस बेकरी एवं कन्फैक्शनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक 20.2.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

कार्यशाला में बताए बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के तरीके

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरसी) की तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। इस मौके पर आईएआरसी सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी देवा कुमार ने आधुनिक तकनीक अपनाने का आह्वान किया। कार्यशाला को तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्क्ष डॉ. जी रतना सभापति, डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने संबोधित किया। आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 21.2.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

एचएयू में चल रही कार्यशाला संपन्न

हिसार | एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर डॉ. सीदेवा कुमार ने पुस्कालयाध्क्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। हैदराबाद विवि से डॉ. एनपी रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में देशभर से 12 विषय के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने भी जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**20.02.2021**	--	--

आधुनिक तकनीकों को अपनाएं पुस्तकालय : देवा कुमार

हिसार/20 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के समापन अवसर पर संस्थान से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी देवा कुमार ने पुस्तकालयाध्क्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाईन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिएं। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्क्ष डॉ. जी रतना सभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एनपी रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोर्मेटिक्स कंपनी के तकनीकी हैड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरैंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	**20.02.2021**	--	--

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाध्क्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू

एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए वक्ता।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्क्ष डॉ. जी. रतनासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोर्मेटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरैंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**20.02.2021**	--	--

हकृवि में आयोजित डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी. देवा कुमार ने पुस्कालयाध्क्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न

हिसार। एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए वक्ता।

ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी।

बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रवि कुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरेंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।

पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग न्यूज	**20.02.2021**	--	--

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला समापन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाध्क्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्क्ष डॉ. जी. रतनासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।

एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए वक्ता।

बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी : हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोमैटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरैंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**20.02.2021**	--	--

कार्यशाला में बताए बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के तरीके

डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाध्क्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्क्ष डॉ. जी. रतनासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।

बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोमेंटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरैंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**20.02.2021**	--	--

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला समापन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों को

अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जी. रतनासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी

बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रविकुमार ने मुडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इंफोमैटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरैंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**20.02.2021**	--	--

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जी. रतनासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी

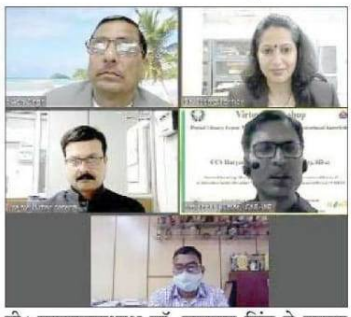

दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोर्मेटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरैंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 21.2.2021..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम...3-6.....

एचएयू में बनेगी प्रदेश की पहली फिश प्रोसेसिंग लैब, राज्यों में मछली से बने प्रोडक्ट भेज सकेंगे

सरकार ने लैब के लिए 66 लाख रुपये का बजट किया जारी, नए शोध को प्रोत्साहन मिलेगा

महबूब अली| हिसार

प्रदेश के लोगों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही एचएयू में प्रदेश की पहली फिश प्रोसेसिंग लैब स्थापित की जाएगी। जिसके लिए 66 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। लैब के माध्यम से मछली से बनने वाले ऐसे प्रोडेक्ट भी तैयार किए जा सकेंगे, जो कई माह तक खराब नहीं होंगे। साथ ही रिसर्च भी की जा सकेगी। यहीं नहीं किसानों को भी समय समय पर प्रोडेक्ट बनाने के संबंध में ट्रेनिंग दी जाएगी। लैब का निर्माण कराने के लिए विवि प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, प्रदेश के किसी भी स्थान पर फिश प्रोसेसिंग लैब नहीं है। जिसके कारण किसानों को मछली के प्रोडेक्टर बनाने आदि के बारे में जानकारी हासिल नहीं हो पाती है। वैज्ञानिकों को भी मछली के प्रोडक्ट आदि बनाने के लिए आसपास के राज्यों की तरफ रुख करना पड़ता है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विवि में स्थापित की जाने वाली फिश प्रोसेसिंग लैब प्रदेश की पहली लैब होगी। जल्द ही लैब के निर्माण का कार्य शुरू करा दिया जाएगा। फिशरीज कालेज की ऑफिसर इंचार्ज डा. रचना गुलाटी ने बताया कि लैब में मछलियों से बने विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट बनाकर अन्य राज्यों में भी भेजे जा सकेंगे। वैज्ञानिक मछलियों से बनने वाले प्रोडक्ट पर रिसर्च कर किसानों की आमदनी बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

जानिए.. फिशरीज कॉलेज की खासियत, क्या बनेंगे

- लैब के अंदर एचएयू के वैज्ञानिक मछली के मोमोज, समोसा, अचार, कटलेट समेत विभिन्न प्रकार के प्रोडेक्ट तैयार किए जा सकेंगे, जो माह तक खराब नहीं होंगे
- लैब में तैयार प्रोडक्ट के बारे में किसानों को जानकारी देकर उन्हें भी ट्रेंड किया जाएगा, ताकि वह अपनी आमदनी को बढ़ा सके
- लैब में तैयार प्रोडेक्ट को अन्य राज्यों के साथ विदेशों में भी बेचा जा सकेगा
- मछलियों में होने वाली बीमारियों पर भी रिसर्च कर उनके समाधान का प्रयास किया जा सकेगा

मछली पालन भी अच्छा व्यवसाय है। कम जगह में मछली पालन कर किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। जल्द ही एचएयू में लैब का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। प्रदेश के लोगों को भी फिश प्रोसेसिंग लैबका फायदा होगा।

प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 20.2.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....8.....

एचएयू में 22 से मछली और झिंगा पालन की जानकारी लेंगे किसान

हिसार| एचएयू में 22 से 26 फरवरी तक प्रदेशस्तरीय ट्रेनिंग की जाएगी। इसमें प्रदेशभर के किसानों को मछली पालन कर आमदनी बढ़ाने के गुर सिखाए जाएंगे। खासियत यह है कि ट्रेनिंग में महिला किसान भी इस बार भागीदारी कर रही हैं। एचएयू के फिशरीज कॉलेज की ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धर्मबीर सिंह ने बताया कि ट्रेनिंग में किसानों को मछली पालन कर आमदनी अधिक से अधिक करने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 20.2.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

एचएयू के 3 छात्र यूपी में बने सहायक मत्स्य निदेशक

हिसार | एचएयू के फिशरीज कॉलेज में पढ़ रहे तीन छात्र एवं छात्राओं का चयन यूपी में सहायक मत्स्य निदेशक के पद पर हुआ है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह और फिशरीज कॉलेज के अधिकारियों ने छात्रों को बधाई दी। फिशरीज कॉलेज की ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी ने बताया कि पीएचडी कर रहे छात्र प्रशांत कुमार, गिरीश त्रिपाठी और ऋचा चौधरी का सलेक्शन यूपी में सहायक मत्स्य निदेशक के पद पर हुआ है। हालांकि अभी ज्वॉइनिंग नहीं हो सकी है। जल्द तीनों की ज्वॉइनिंग होगी। तीनों ने कहा कि एचएयू के टीचरों के लगातार मार्गदर्शन करने के कारण ही वह सफल हो सके। कुलपति डॉ. समर सिंह ने कहा कि अन्य छात्रों को भी मेहनत कर बुलंदियों को छूना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 21.2.2021..पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4.5.....

'कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में युवा वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित'

गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में युवाओं के साथ हंसराज जाजूदा व अन्य।

मंडी आदमपुर, 20 फरवरी (पंकेस): गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में हिसार जिला के 14 गांवों के बेरोजगार युवाओं को जागरूक करने के लिए युवा व वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि जिला पार्षद हंसराज जाजूदा व अध्यक्षता केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र ने की।

हंसराज जाजूदा ने कहा कि हमें हर कार्य मेहनत और लगन से करना चाहिए। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, नए रोजगार की शुरुआत में काफी जोखिम उठाने पड़ते हैं और आमदनी भी कम होती है, लेकिन हमें काम बीच में छोड़कर भागना नहीं चाहिए और पहले से ज्यादा मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे की प्रवृत्ति से दूर रहें। केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि युवा खुंभ उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद, जैविक खेती, फल-सब्जी संरक्षण आदि अपनाकर स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर किसानों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है।